प्रभु श्री राम के 108 नाम

1. ॐ परस्मै ब्रह्मने नमः।
2. ॐ सर्वदेवात्मकाय नमः।
3. ॐ परमात्मने नमः।
4. ॐ सर्वावगुनवर्जिताया नमः।
5. ॐ विभिषनप्रतिश्थात्रे नमः।
6. ॐ जरामरनवर्जिताया नमः।
7. ॐ यज्वने नमः।
8. ॐ सर्वयज्ञाधिपाया नमः।
9. ॐ धनुर्धराया नमः।
10. ॐ पितवाससे नमः।
11. ॐ शुउराया नमः।
12. ॐ सुंदराया नमः।
13. ॐ हरये नमः।
14. ॐ सर्वतिइर्थमयाया नमः।
15. ॐ जितवाराशये नमः।
16. ॐ राम सेतुक्रूते नमः।
17. ॐ महादेवादिपुउजिताया नमः।
18. ॐ मायामानुश्हा चरित्राया नमः।
19. ॐ धिइरोत्तगुनोत्तमाया नमः।
20. ॐ अनंतगुना गम्भिइराया नमः।

Online Post यहाँ पढ़ें

प्रभु श्री राम के 108 नाम

21. ॐ राघवाया नम:।
22. ॐ पुउर्वभाश्हिने नम:।
23. ॐ मितभाश्हिने नम:।
24. ॐ स्मितवक्त्राया नम:।
25. ॐ पुरान पुरुशोत्तमाया नम:।
26. ॐ अयासाराया नम:।
27. ॐ पुंयोदयाया नम:।
28. ॐ महापुरुष्हाय नम:।
29. ॐ परमपुरुष्हाय नम:।
30. ॐ आदिपुरुष्हाय नम:।
31. ॐ स्म्रैता सर्वाघा नाशनाया नम:।
32. ॐ सर्वपुंयाधिका फलाया नम:।
33. ॐ सुग्रिइवेप्सिता राज्यदाया नम:।
34. ॐ सर्वदेवात्मकाया परस्मै नम:।
35. ॐ पाराया नम:।
36. ॐ पारगाया नम:।
37. ॐ परेशाया नम:।
38. ॐ परात्पराया नम:।
39. ॐ पराकाशाया नम:।
40. ॐ परस्मै धाम्ने नम:।

Online Post यहाँ पढ़ें

प्रभु श्री राम के 108 नाम

41. ॐ परस्मै ज्योतिश्हे नम:।
42.ॐ सच्चिदानंद विग्रिहाया नम:।
43. ॐ महोदराया नम:।
44. ॐ महा योगिने नम:।
45. ॐ मुनिसंसुतसंस्तुतया नम:।
46. ॐ ब्रह्मंयाया नम:।
47. ॐ सौम्याय नम:।
48. ॐ सर्वदेवस्तुताय नम:।
49. ॐ महाभुजाय नम:।
50. ॐ महादेवाय नम:।
51. ॐ राम मायामारिइचहंत्रे नम:।
52. ॐ राम मृतवानर्जीवनया नम:।
53. ॐ सर्वदेवादि देवाय नम:।
54. ॐ सुमित्रापुत्र सेविताया नम:।
55. ॐ राम जयंतत्रनवरदया नम:।
56. ॐ चित्रकुउता समाश्रयाया नम:।
57. ॐ राम राक्षवानरा संगथिने नम:।
58. ॐ राम जगद्गुरवे नम:।
59. ॐ राम जितामित्राय नम:।
60. ॐ राम जितक्रोधाय नम: ।

Online Post यहाँ पढ़ें

प्रभु श्री राम के 108 नाम

61. ॐ राम जितेंद्रियाया नम:।
62. ॐ वरप्रदाय नम:।
63. ॐ पित्रै भक्ताया नम: ।
64. ॐ अहल्या शाप शमनाय नम:।
65. ॐ दंदकारंय पुण्यक्रिते नम:।
66. ॐ धंविने नम:।
67. ॐ त्रिलोकरक्षकाया नम: ।
68. ॐ पुंयचारित्रकिइर्तनाया नमः।
69. ॐ त्रिलोकात्मने नमः।
70. ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
71. ॐ वेदांतसाराय नमः।
72. ॐ तातकांतकाय नमः।
73. ॐ जामद्ग्या महादर्पदालनाय नमः।
74. ॐ दशग्रिइवा शिरोहराया नमः।
75. ॐ सप्तताला प्रभेत्ले नमः।
76. ॐ हरकोदांद खान्दनाय नमः।
77. ॐ विभीषना परित्रात्रे नमः।
78. ॐ विराधवाधपन दिताया नमः।
79. ॐ खरध्वा.सिने नमः।
80. ॐ कौसलेयाय नमः।

Online Post यहाँ पढ़ें

प्रभु श्री राम के 108 नाम

81. ॐ सदाहनुमदाश्रिताय नमः।
82. ॐ व्रतधाराय नमः।
83. ॐ सत्यव्रताय नमः।
84. ॐ सत्यविक्रमाय नमः।
85. ॐ सत्यवाचे नमः।
86. ॐ वाग्मिने नमः।
87. ॐ वालिप्रमाथानाया नमः।
88. ॐ शरणात्राण तत्पराया नमः।
89. ॐ दांताय नमः।
90. ॐ विश्वमित्रप्रियाय नमः।
91. ॐ जनार्दनाय नमः।
92. ॐ जितामित्राय नमः।
93. ॐ जैत्राय नमः।
94. ॐ जानकिइवल्लभाय नमः।
95. ॐ रघुपुंगवाय नमः।
96. ॐ त्रिगुनात्मकाया नमः।
97. ॐ त्रिमुर्तये नमः।
98. ॐ दुउश्हना त्रिशिरो हंत्रे नमः।
99. ॐ भवरोगस्या भेश्हजाया नमः।
100. ॐ वेदात्मने नमः।

Online Post यहाँ पढ़ें

प्रभु श्री राम के 108 नाम

101. ॐ राजीवलोचनाय नमः।
102. ॐ राम शाश्वताया नमः।
103 ॐ राम चंद्राय नमः।
104. ॐ राम भद्राया नमः।
105. ॐ राम रामाय नमः।
106. ॐ सर्वदेवस्तुत नमः।
107. ॐ महाभाग नमः।
108. ॐ मायामारीचहन्ता नमः।

Online Post यहाँ पढ़ें

श्री राम स्तुति (अर्थ सहित) यहाँ पढ़ें

सहनशीलता व धैर्य भगवान राम का प्रमुख गुण है। अयोध्या का राजा होते हुए भी श्री राम ने संन्यासी की तरह ही अपना जीवन व्यापन किया। यह उनकी सहनशीलता व सरलता को दर्शाता है।

भगवान राम काफी दयालु स्वभाव के रहें है। उन्होंने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उन्होंने सभी को आगे बढ़ कर नेतृत्व करने का अधिकार दिया। सुग्रीव को राज्य दिलाना उनके दयालु स्वभाव का ही प्रतिक है।

भगवान श्री राम ने कभी भी कहीं भी जीवन में मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया। माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए वह 'क्यों' शब्द कभी भी मुख पर नहीं लाए। वह एक आदर्श पुत्र, शिष्य, भाई, पति, पिता और राजा बने, जिनके राज्य में प्रजा सुख-समृद्धि से परिपूर्ण थी।

शिव अस्त्र और भगवान शिव के 108 नाम